vkj- ,u- vkb/- u- UPHIN/2010/32566   Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 15   vad % 21   y[kuÅ] 'kfuokj 07 flrEcj 2024 ls 13 flrEcj 2024 rd   i"B&8   eY; % ,d :i;k

आप भगवान हैं या नहीं, ये खुद नहीं लोगों को तय करने दें, संघ प्रमुख का इशारा किसकी तरफ है?

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि आप भगवान हैं या नहीं, यह लोगों को तय करने दें। हमें यह प्रचार नहीं करना चाहिए कि हम भगवान बन गए हैं। आरएसएस प्रमुख ने १९७१ में मणिपुर में भैयाजी के नाम से मशहूर शंकर दिनकर केन के काम की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। भागवत ने कहा कि कुछ लोग सोचते हैं कि हमें शांत रहने के बजाय बिजली की तरह चमकना चाहिए। लेकिन बिजली गिरने के बाद पहले से भी ज्यादा अंधेरा हो जाता है। इसलिए कार्यकर्ताओं को दीये की तरह जलना चाहिए और जरूरत पड़ने पर चमकना चाहिए। शंकर दिनकर काणे ने १९७१ तक मणिपुर में बच्चों की शिक्षा के लिए काम किया। वह छात्रों को महाराष्ट्र भी लाए और उनके रहने की व्यवस्था की। संघर्षग्रस्त मणिपुर की मौजूदा स्थिति के बारे में बोलते हुए, भागवत ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियाँ कठिन और चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने

कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी, आरएसएस के स्वयंसेवक पूर्वोत्तर राज्य में मजबूती से तैनात हैं, जहां दो समुदायों के बीच संघर्ष में २०० से अधिक लोग मारे गए हैं और ६०,००० लोग विस्थापित हुए हैं। भागवत ने कहा कि लोगों में स्वधर्म की भावना व्याप्त है। हम भारत के हैं, यह भावना मजबूत होती जा रही है। मणिपुर जैसे राज्यों में आज जो अशांति हम देख रहे हैं, वह कुछ लोगों का काम है जो प्रगति के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न करना चाहते हैं। लेकिन उनकी योजना सफल नहीं होगी। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब ४० साल पहले स्थिति बदतर थी, तब लोग वहीं रुके, काम किया और स्थिति को बदलने में मदद की। उन्होंने कहा कि संघ के सदस्य, चाहे वे स्वयंसेवक हों या प्रचारक, वहां गए, उस क्षेत्र का हिस्सा बन गए और परिवर्तन लाने के लिए काम किया। भागवत ने कहा कि जिस भारत का सपना देखा गया है, उसे साकार करने में दो और पीढ़ियां लगेंगी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते में हमें उन लोगों की ओर से बाधाओं का सामना करना पड़ेगा जो भारत के उत्थान से ईर्ष्या करते हैं। लेकिन हमें इन बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ५ सितम्बर को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह सबसे पहले रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे रामसेवकपुरम में नव स्थापित श्री रामनाथस्वामी मंदिर में आयोजित भव्य महाकुंभाभिषेकम् व प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उसके बाद कारसेवकपुरम में श्भारतात्मा अशोक जी सिंघल वेद पुरस्कार–२०२४' का वितरण समारोह भाग उन्होंने भाग लिया। कारसेवकपुरम में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद सीएम योगी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के दरबार में हाजिरी लगाई। सीएम ने यहां दर्शन–पूजन के उपरांत आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां विधिवत दर्शन–पूजन भी किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के ५ सितम्बर को हुए दौरे से पूर्व ६ अगस्त को भी अयोध्या में उपस्थित रहे। इस दौरान भी उन्होंने श्रीरामलला व संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई थी। इसके साथ ही, ६ अगस्त को उन्होंने अयोध्या में चले रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया था।

ऑन लाइन ओपीडी पंजीकरण में UP टॉप पर, बोले ब्रजेश पाठक

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन मरीज धड़ल्ले से करा रहे हैं। यही वजह है कि ओपीडी रजिस्ट्रेशन में उत्तर प्रदेश, देश में टॉप पर है। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय सेवाएं बढ़ी हैं, और सुचारू रुप से निःशुल्क मिल रहीं हैं, लोगो का विश्वास बढ़ा है, इसलिए लोग सेवाएं लेने सरकारी अस्पताल पहुंच रहे हैं। यह बात शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के डैशबोर्ड आंकड़े बताते हैं कि सरकारी अस्पतालों में आम्नलाइन ओपीडी पंजीकरण में अपना राज्य सबसे आगे और तमिलनाडु सबसे पीछे है। बीते दो साल में नेशनल हेल्थ अथ रिटी (एनएचए) के तहत मोबाइल से स्कैन के जरिए बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के लिए करीब ४.७ करोड़ ऑनलाइन

पंजीकरण किए गए। इनमें १.२४ करोड़ रजिस्ट्रेशन अकेले उप्र. में हुए हैं। जबकि, तमिलनाडु और केरल आदि राज्यों में १० हजार से भी कम पंजीकरण हुए। ब्रजेश पाठक ने बताया कि एबीडीएम के डैशबोर्ड पर दिखने वाले आंकड़ों के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण में उप्र. के बाद ८१ लाख मरीजों के साथ आंध्र प्रदेश का नंबर है। बिहार तीसरे स्थान पर और तमिलनाडु सबसे नीचे है। देश में सबसे ज्यादा ऑन लाइन पंजीकरण वाले २५ अस्पतालों में उप्र. के १५ अस्पताल शामिल हैं। इन १५ अस्पतालों में राजधानी के लोकबन्धु अस्पताल, बलरामपुर अस्पताल, सिविल अस्पताल के अलावा कानपुर के गणेश शंकर मेडिकल कॉलेज, यूएचएम जिला अस्पताल और कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय समेत वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों के अस्पताल शामिल हैं।

शांति स्थापना के लिए कमांडर्स को रहना होगा युद्ध के लिए तैयार : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने पहले के बयान का जवाब दिया कि 'सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है'। रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने वो बयान इसलिए दिया ताकि किसी भी हालत में भारत की शांति भंग न हो सके। भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के

संदेश पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है लेकिन आज की भू–राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है और हमेशा करेगा। लेकिन आज भूराजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मैंने कहा सेना से कहा कि भारत और विश्व में शांति बनाए रखने के लिए हमें हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में भारत की शांति भंग न हो। अपने लखनऊ दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शहर के खाटू श्याम मंदिर में पूजा–अर्चना भी की। शीर्ष स्तरीय सैन्य नेतृत्व बैठक के दूसरे और अंतिम दिन लखनऊ में पहले संयुक्त कमांडर सम्मेलन में बोलते हुए, सिंह ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और एकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन की थीम, 'सशक्त और सुरक्षित भारतरू सशस्त्र बलों में बदलाव' के अनुरूप, सिंह ने संयुक्त सैन्य दृष्टि विकसित करने और भविष्य में होने वाले युद्धों में देश के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए तैयारी करने के महत्व पर जोर दिया, साथ ही उकसावों के लिए समन्वित, त्वरित और आनुपातिक प्रतिक्रिया पर जोर दिया।

एक अच्छा इंसान बनने का गुण सिखाते हैं शिक्षक

लखनऊ। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर में शिक्षक दिवस के पावन पर्व पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा परिसर के प्रोन्नत सम्मानित प्राध्यापकों का माल्यार्पण कर, विशेष उपहार प्रदान किए गए और परिसर के सभी प्राध्यापकों को एक एक फूल का गमला उपहार दे कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने छात्र तथा शिक्षक का महत्व को बताते हुए कहा की छात्र को सर्वदा विनीत भाव, श्रद्धा के साथ गुरु के समीप उपस्थित होना चाहिए तथा गुरु को अत्यंत गौरव के साथ अपने विशिष्ट ज्ञान से छात्र का मार्गदर्शन करना चाहिए। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्यगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस आयोजन में खास बात यह रही कि इसका संपूर्ण संयोजन परिसर के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया।

सम्पादकीय

रसूख और रुतबे पर स्थायी किस्म का प्रहार

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के रसूख और रुतबे पर स्थायी किस्म का प्रहार हुआ है। इस संस्था ने रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को युद्ध अपराध का दोषी ठहराते हुए उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। तब से पुतिन किसी ऐसे देश में नहीं गए, जो आईसीसी का सदस्य हो। लेकिन इस सोमवार उन्होंने मंगोलिया की यात्रा की, जो आईसीसी का सदस्य है। पुतिन की यात्रा से ठीक पहले आईसीसी ने स्पष्ट किया कि पुतिन के वहां आने पर मंगोलिया उन्हें गिरफ्तार करने के लिए बाध्य है। मगर पुतिन का मंगोलिया में भव्य स्वागत किया गया। उन्हें राजकीय अतिथि का सम्मान मिला। उनके साथ मंगोलिया सरकार ने कई समझौतों पर दस्तखत किए। तो अब प्रश्न है कि आईसीसी का क्या रुतबा बचा है? यहां याद करना उचित होगा कि पिछले वर्ष ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने पुतिन इसी वारंट के कारण दक्षिण अफ्रीका नहीं जा सके थे। हालांकि दक्षिण अफ्रीका सरकार ने कहा था कि वह आईसीसी के वारंट की तामील नहीं करेगी, मगर वहां के सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि दक्षिण अफ्रीका ऐसा करने के लिए बाध्य है। इससे बनी परिस्थितियों में पुतिन ने अपनी यात्रा टाल दी। उससे आईसीसी की प्रतिष्ठा बच गई थी। लेकिन मंगोलिया ने उसे धूल में मिला दिया है। ऐसा वह क्यों कर सका, यह गंभीर विचार का विषय है। जाहिर है, इसके लिए आईसीसी एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साख पर लगा बट्टा भी जिम्मेदार है। यह शिकायत वाजिब है कि आईसीसी ने पुतिन के खिलाफ वारंट जारी करने में तत्परता दिखाई, लेकिन उसने वही तेजी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मामले में नहीं दिखाई है। इससे ग्लोबल साउथ के देशों में राय बनी है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं पश्चिमी हितों के मुताबिक काम करती हैं। युद्धों और वैश्विक विवादों का हल ढूंढने में इन संस्थाओं की नाकामी भी तेजी से उनकी साख खत्म कर रही है। लेकिन यह चिंताजनक है। ये संस्थाएं इसलिए बनी थीं, ताकि दुनिया में तनाव काबू में रहे और वैश्विक मूल्यों पर अमल सुनिश्चित हो सके। मगर अब इन संस्थाओं प्रासंगिकता को क्षीण करने के सुविचारित प्रयास हो रहे हैं।

बप्पा के भक्तों का हुआ १० करोड़ का बीमा

लखनऊ। देशभर में कल गणेश चतुर्थी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा। लखनऊ में भी इस पर्व की रौनक देखने लायक होगी। मनौतियों के राजा के आगमन को लेकर लगभग सभी तैयारियां के अलग–अलग स्वरूप को चित्रित्र भी किया गया है। यहां पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए भी पुरी व्यवस्था की गई है। जहां बच्चों के लिए किड्स जोन तैयार हो रहा है। वहीं खाने के शौकीन लोगों के

पूरी हो चुकी है। मंदिरों में सुबह से ही गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहेंगे। वहीं जगह–जगह पंडाल भी सज रहे हैं। लेकिन एक पंडाल सबसे खास है। गोमती नदी के तट पर झूलेलाल वाटिका में बप्पा के आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। यहां १४००० वर्गफुट का भव्य व टर प्रूफ पंडाल बनाया गया है। इतना ही नहीं यहां आने वाले भक्तों का बीमा भी कराया गया है। ७ सितम्बर को शुरू होने वाला यह महोत्सव १७ सितम्बर तक चलेगा। पंडाल में भगवान गणेश लिए फुड कोर्ट भी बनाया गया है। कमेटी के सदस्य अतुल बंसल ने बताया कि पंडाल के बाहर लोगों के बैठने के लिए १६००० कुर्सियां का इंतजाम किया गया है। इस बार बप्पा की प्रतिमा को सिद्धिविनायक की तर्ज पर बनाया गया है, जिसे प्रख्यात मूर्तीकार श्रवण प्रजापति ने तैयार किया है। सुरक्षा की दृष्टि से भी चाक चौबंद है। पंडाल में ५० सीसीटीवी कैमरे, तो बप्पा के भक्तों का १० करोड़ का बीमा कराया गया है। मनौतियों के राजा गणेश जी का भी २५ लाख रुपये का बीमा कराया गया है।

बुलडोजर पर उलझे योगी और अखिलेश

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर की कार्रवाई पर सख्त नाराजगी जताई है और इसके लिए एक नियम बनाने का इशारा करते हुए इस पर रिपोर्ट मांगी है। लेकिन बुलडोजर न्याय की उत्पत्ति वाले राज्य उत्तर प्रदेश में एक नया विवाद छिड़ गया है। राज्य के मुख्यमंत्री और बुलडोजर न्याय के जनक योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध यक्ष अखिलेश यादव इस मसले पर एक दूसरे से उलझ गए हैं। अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे बुलडोजर के निशान पर चुनाव लड़ कर दिखाएं। योगी को निशाना बनाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफ र्स एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा– अगर आप और अपका बुलडोजर इतना ही सफल हैं, तो बुलडोजर चुनाव चिन्ह लेकर चुनाव लड़ जाइए। इससे आपका भ्रम और घमंड दोनों टूट जाएगा। अभी जो हालात हैं, उसमें आप बीजेपी के होते हुए भी नहीं हैं। आपको अलग पार्टी तो बनानी ही है, तो आज ही बना लीजिए। इससे

पहले मंगलवार को अखिलेश यादव ने कहा था कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार २०२७ में यूपी में आएगी, तब पूरे प्रदेश के बुलडोजर का रुख गोरखपुर की तरफ कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का क्षेत्र है। अखिलेश यादव ने गोरखपुर का नाम लिया, तो मुख्यमंत्री ने बुधवार को लखनऊ में कहा– बुलडोजर चलाने के लिए दिल और दिमाग चाहिए। बुलडोजर पर सबके हाथ सेट नहीं हो सकते। बुलडोजर वही चला सकता है, जिसमें बुलडोजर जैसी क्षमता और दृढ प्रतिज्ञा हो। दंगाइयों के सामने नाक रगड़ने वाले लोग बुलडोजर के सामने पस्त हो जाएंगे। योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश यादव ने कहा– सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर को लेकर जो टिप्पणी की उससे साफ है कि बुलडोजर की कार्रवाई संवैधानिक नहीं है, ऐसे में क्या सीएम इस पर माफी मांगेंगे। उन्होंने बुलडोजर चलाने के लिए दिल और दिमाग वाली सीएम की टिप्पणी पर कहा– बुलडोजर दिमाग से नहीं, स्टीयरिंग से चलता है। जनता कब किसका स्टीयरिंग बदल दे, ये कोई नहीं जानता।

लखनऊ के खाटू श्याम मंदिर में राजनाथ सिंह ने की आरती, कहा- भारत शांति का पुजारी है और हमेशा रहेगा

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आज जिस तरह की वैश्विक परिस्थितियां हैं, उन्हे ध्यान में रखते हुए सैन्य कमांडरों को कहा गया है कि विश्व और भारत में शांति की स्थापना के लिए सदैव तत्पर रहें, ताकि कहीं भी शांति भंग न हो। लखनऊ में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन के एक दिन बाद राजनाथ सिंह का शुक्रवार को यह बयान आया है। लखनऊ में खाटू श्याम मंदिर के दर्शन करने के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा, ष्भारत दुनिया का एकमात्र देश है, जिसने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है। भारत शांति का

पुजारी है और हमेशा रहेगा।श्श उन्होंने कहा, श्आज जिस तरह की वैश्विक परिस्थितियां हैं, उन्हे ध्यान में रखते हुए सैन्य कमांडरों को कहा गया है कि विश्व और भारत में शांति की स्थापना के लिए सदैव तत्पर रहें, ताकि कहीं भी शांति भंग न हो।'' सिंह ने बृहस्पतिवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों से यूक्रेन और गाजा में संघर्ष के साथ–साथ बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति का विश्लेषण करने का आह्वान किया था ताकि भविष्य की किसी भी समस्या का 'पूर्वानुमान' लगाया जा सके और 'अप्रत्याशित स्थिति' से निपटने के लिए तैयार रहें।

सुलतानपुर मामले में अखिलेश यादव का आरोप, कहा- 'जात' देखकर ली गई जान

लखनऊ। यूपी के सुलतानपुर में डकैती के एक आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इस घटना को लेकर अब सिसायत शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घटना को लेकर यूपी पुलिस और सरकार पर सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "पैरों पर सिर्फ दिखावटी गोली मारी गई और 'जात' देखकर जान ली गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर लिखा लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नकली एनकाउंटर से पहले 'मुख्य आरोपी' से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया गया और अन्य सपक्षीय लोगों के पैरों पर सिर्फ दिखावटी गोली मारी गई और 'जात' देखकर जान ली गई उन्होंने आगे कहा कि जब मुख्य आरोपी ने सरेंडर कर दिया है तो लूट का सारा माल भी पूरा वापस होना चाहिए और सरकार को मुआवजा अलग से देना चाहिए, क्योंकि ऐसी घटनाओं का जो मानसिक आघात होता है, उससे उबरने में बहुत समय लगता है, जिससे व्यापार की हानि होती है, जिसकी क्षतिपूर्ति

सरकार करे। अखिलेश यादव ने कहा नकली एनकाउंटर रक्षक को भक्षक बना देते हैं। समाधान नकली एनकाउंटर नहीं, असली कानून–व्यवस्था है। भाजपा राज अपराधियों का अमृतकाल है। जब तक जनता का दबाव व आक्रोश चरम सीमा पर नहीं पहुंच जाता है, तब तक लूट में हिस्सेदारी का काम चलता रहता है और जब लगता है जनता घेर लेगी तो नकली एनकाउंटर का ऊपरी मरहम लगाने का दिखावा होता है। जनता सब समझती है कि कैसे कुछ लोगों को बचाया जाता है और कैसे लोगों को फंसाया जाता है। बता दें कि यूपी के सुलतानपुर में २८ अगस्त को दिन दहाड़े दुकान में घुसकर पांच बदमाशों ने असलहे के बल पर करोड़ों के जेवरात और नगदी लूट ली थे। मंगलवार को घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसमें कुल १५ बदमाशों के बारे में पता चला। मुठभेड़ में तीन बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद ११ बदमाश फरार थे। गुरुवार सुबह डिप्टी एसपी एसटीएफ धर्मेश शाही की टीम ने हनुमानगंज (देहात कोतवाली सुल्तानपुर) में हाइवे के किनारे आरोपी मंगेश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। अभी १० बदमाश फरार हैं।

गोरखपुर में बनेगा फॉरेस्ट्री कॉलेजः सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज रेंज के भारीवैसी में स्थापित दुनिया के पहले जटायु राजगिद्ध (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने वन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि गोरखपुर में एक फ रेस्ट्री क लेज बनाएं। जहां वन से संबंधित पढ़ाई के लिए डिग्री और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जाएं। इससे वन विभाग की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न पदों पर युवाओं को नौकरी मिल सकेगी। साथ ही यह फ रेस्ट्री को विकसित करने और वन संरक्षण का बड़ा माध्यम भी बनेगा। उन्होंने केंद्र के निर्माण में योगदान देने वाले अधिकारियों–कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि जब विकास प्रकृति और पर्यावरण को बचाकर किया जाएगा, तभी वह सतत विकास होगा। लंबे समय तक उसका लाभ मिलेगा। प्रकृति और पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खतरनाक होता है। इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। गिद्धराज जटायु के रामायणकालीन आख्यान का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पेस्टीसाइड के दुष्प्रभाव से पर्यावरण के संरक्षक गिद्धों की संख्या तेजी से घटी है। उनके संरक्षण के लिए यूपी और भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का पहला संरक्षण केंद्र कैम्पियरगंज

में खोला गया है। इस केंद्र में वनटांगिया समुदाय के लोग भी केयरटेकर के रूप में नौकरी से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रेंति और इसके जीवों को बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आज हम जटायु संरक्षण केंद्र के माध्यम से अपनी वैदिक और पौराणिक परंपरा के प्रति ेंतज्ञता ज्ञापित कर रहे हैं। गिद्धराज जटायु धर्म और नई गरिमा की रक्षा के लिए रामायण काल के पहले बलिदानी थे। उन्होंने सीताजी के दुखभरे वचन को सुनकर ही जान लिया था कि यह आवाज रघुकुल तिलक श्रीराम की अर्धांगिनी की है। गिद्धराज जटायु राजा दशरथ के मित्र थे। मित्रता निभाने और नारी गरिमा की रक्षा के लिए वे निहत्थे ही रावण से भिड़ गए और खुद को बलिदान कर दिया। रामायण से हमें मित्रता, नारी गरिमा, मर्यादा, अनुशासन और वचन रक्षा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि आज के कालखंड में भी पर्यावरण की शुद्धि के लिए जो कार्य जटायु के वंशजों द्वारा किया जाता है, वह अविस्मरणीय है। जटायु के प्रति ेंतज्ञता ज्ञापित करने के लिए, रामायणकालीन उनकी स्मृतियों को बनाए रखने के लिए अयोध्या में राम मंदिर के सामने गिद्धराज जटायु की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है और अब यह जटायु संरक्षण केंद्र भी उसी की कड़ी है। उत्तर प्रदेश देश ही नहीं बल्कि दुनिया का ऐसा पहला राज्य है, जिसने ७ वर्षों में २०० करोड़ के पौधरोपण के लक्ष्य को हासिल किया है। २०१७ के पहले हमें जहां जंगलों की कटान देखने को मिलती थी, वहीं अब बड़े पैमाने पर पौधे लगाए और बचाए जा रहे हैं।

लाइसेंसी असलहा लेकर युवती के कार्यालय पहुंचा युवक

लखनऊ। विभूतिखंड इलाके में स्थित एक निजी कार्यालय में युवक लाइसेंसी असलहा लेकर घुस गया। अंदर पहुंचकर प्रेमिका पर असलहा तान दिया। बात करने का दबाव बनाने लगा। यह देख वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को सुपुर्द कर दिया। इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि असलहा पीडब्ल्यूडी से रिटायर्ड इंजीनियर अर्जुन सिंह के नाम है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ युवती की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी हरदोई का रहने वाला दीपक यादव है। कल्याणपुर में अर्जुन सिंह के घर में काम करता है। कुछ दिन पहले उसकी बाराबंकी की रहने वाली युवती से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। इसी बीच युवती की शादी कहीं और तय हो गई। इसके बाद युवती ने दीपक से बात करना बंद कर दिया। दीपक इस बात से काफी नाराज था। वह लगातार क ल कर धमकी देता था। कई दिनों से युवती ने क ल रिसीव करना बंद कर दिया। वह शुक्रवार को कार्यालय पहुंचा। उस वक्त युवती काम कर रही थी। दीपक ने असलहा दिखाकर धमकी देने लगा। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। वहीं, असलहे के लाइसेंस को निरस्त कराने के लिए जिला प्रशासन को जल्द रिपोर्ट भेजी जाएगी।

'महापुरुषों के मामले में राजनीति ठीक नहीं', बसपा अध्यक्ष मायावती ने सरकार को दी नसीहत

लखनऊ। महाराष्ट्र के राजकोट किले में बीते माह छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में राजनीति की भर्त्सना करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि महापुरुषों के किसी भी मामले में सकारात्मक सोच रखनी चाहिये और इसकी आड़ मे राजनीति से बचना चाहिये। मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया " किसी भी समुदाय व धर्म से जुड़े राजा, महाराजाओं, सन्तों, गुरूओं व महापुरुषों के किसी भी मामले में नकारात्मक नहीं बल्कि सकारात्मक सोच रखनी चाहिये तथा इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। " उन्होने कहा " इनकी मूर्तियों को लगाने व नाम रखने आदि का भी इस्तेमाल, सकारात्मक नजरिये से होना चाहिये, ना कि इनकी आड़ में किसी भी प्रकार का द्वेष पूर्ण व राजनीतिक स्वार्थ छिपा होना चाहिये। जो अब देखने के लिए मिल रहा है। अति दुर्भाग्यपूर्ण।." बसपा अध्यक्ष ने कहा " महाराष्ट्र की तरह अन्य किसी भी राज्य में खुद मूर्ति गिरने पर, सम्बन्धित

अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही होनी चाहिये, ना कि इसकी आड़ में कोई राजनीति होनी चाहिये, तो यही बेहतर होगा।" गौरतलब है कि २६ अगस्त को तेज हवाओं के कारण छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा ढह गई थी। इस मामले में वांछित मूर्तिकार जयदीप आप्टे को ठाणे जिले के पड़ोसी कल्याण शहर से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि इस घटना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करनी शुरू कर दी। आप्टे की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा " जो लोग हमारी सरकार के आलोचक थे उन्हें अब अपना मुंह बंद कर लेना चाहिए। यह सच है कि पुलिस ने जयदीप आप्टे को गिरफ्तार करने में थोड़ा समय लगाया लेकिन पुलिस ने अपना काम किया।" गौरतलब है कि २८ फीट की कांस्य प्रतिमा का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चार दिसंबर २०२३ को सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था।

शिक्षामित्रों को मुख्यमंत्री कार्यालय से मिला आश्वासन, सरकार जल्द ले सकती है अहम फैसला

लखनऊ। इको गार्डन में धरना और नारेबाजी के साथ गुरुवार को हजारों शिक्षामित्रों ने अपनी ताकत का एहसास कराया है। देर रात मुख्यमंत्री कार्यालय से फोन आने के बाद शिक्षामित्रों की तरफ से धरना समाप्त कर दिया गया है। मंगलवार तक शिक्षामित्रों के हक में सरकार निर्णय ले सकती है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ ने दी है। दरअसल, राजधानी स्थित इको गार्डन में गुरुवार को हजारों की संख्या में जुटे शिक्षामित्रों ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया और नारेबाजी भी की। पूरे प्रदेश से आये शिक्षामित्र नियमितीकरण की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे। साथ ही आंदोलनरत शिक्षामित्रों की एक मांग यह भी थी कि उन्हें समान कार्य का समान वेतन, अवकाश और मेडिकल सुविधायें भी दी जायें। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ की तरफ से बताया

गया है कि गुरुवार रात को मुख्यमंत्री कार्यालय से फोन कर बताया गया है कि मुख्यमंत्री ने हजारों शिक्षामित्र की समस्याओं को देखते हुये मांगों का संज्ञान लिया है। मंगलवार को इस मुद्दे पर प्रतिनिधिमंडल से बात भी होगी। उसके बाद जल्द ही शिक्षामित्रों के हक में सरकार अहम निर्णय ले सकती है।

६९००० शिक्षक भर्ती : कोर्ट के आदेश का पालन किए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने घेरा मंत्री संजय निषाद का आवास

लखनऊ। हाईकोर्ट डबल बेंच का आदेश आने के बाद से लगातार ६९००० शिक्षक भर्ती के तहत नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी आंदोलनरत हैं। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के आवास का घेराव किया। यहां बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थी जोरदार नारेबाजी करते हुए हाई कोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करने व नियुक्ति दिए जाने की मांग की। इससे पहले इन अभ्यर्थियों ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और राज्य मंत्री आशीष पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के आवास का घेराव कर चुके हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि इन सभी मंत्री नेताओं ने अभी तक केवल आश्वासन दिया है किसी के आश्वासन से कोई कार्रवाई होती नहीं दिख रही। आंदोलन व धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि हम ओबीसी और एससी वर्ग के नेताओं और मंत्रियों के आवास का घेराव इसलिए भी कर रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात कर इस मामले का समाधान कराये। हम सभी अभ्यर्थी पिछले ४ साल से सड़कों पर भटक रहे हैं। अब कोर्ट का फैसला आया है तो इसका पालन किया जाना चाहिए। अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष २०१८ में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते १३ अगस्त २०२४ को लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित

वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया है और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया है, लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली कर रही है हम चाहते हैं कि सरकार जल्द से इस प्रकरण का समाधान करें और एक शेड्यूल जारी करके बताएं कि हम पीड़ितों की नियुक्ति कब की जा रही है। बताया जा रहा है कि कोर्ट ने ६९००० शिक्षक भर्ती मूल चयन सूची रद्द करते हुए सरकार को तीन महीने के अंदर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई सूची जारी करने का आदेश दिया है, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई काम शुरू नहीं किया है केवल एक मीटिंग की है। हमारी मांग है कि सरकार हमारी चयन संबंधित प्रकिया का कार्यक्रम शेड्यूल जारी कर दे।

अमित शाह से कांग्रेस का सवाल, जम्मू–कश्मीर को कब मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा?

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को अमित शाह के जम्मू–कश्मीर दौरे को लेकर सवाल उठाए। शाह को स्वयंभू चाणक्य बताते हुए रमेश ने २०१८ में पीडीपी–भाजपा सरकार के पतन के बाद से क्षेत्र को संभालने के गृह मंत्री की आलोचना की। उन्होंने शासन पर शाह के रिक र्ड पर सवाल उठाते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि तब से जम्मू–कश्मीर को बड़े पैमाने पर गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। जयराम रमेश ने अमित शाह से चार सवाल भी पूछे हैं। एक्स पर जयराम रमेश ने लिखा कि स्वयंभू चाणक्य आज जम्मू–कश्मीर में हैं। २०१८ में पीडीपी–भाजपा सरकार के पतन के बाद से, जम्मू और कश्मीर को मुख्य रूप से गृह मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया गया है। चार प्रश्न जिनका उत्तर स्वघोषित चाणक्य को अपने शासन के बारे में देना चाहिए। पहले सवाल में उन्होंने पूछा कि जम्मू–कश्मीर को पूर्ण

राज्य का दर्जा कब वापस मिलेगा? दूसरी कि आपके रहते जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति क्यों खराब हो गई है? तीसरा कि केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर की राजनीतिक कार्यकारिणी की शक्तियों का उल्लंघन करने का प्रयास क्यों कर रही है? और चौथा कि २०१९ के बाद से जम्मू–कश्मीर की आर्थिक स्थिति में गिरावट क्यों आई है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणा–पत्र जारी किया और कहा कि अनुच्छेद ३७० अब "इतिहास" बन गया है और केंद्र शासित प्रदेश में इसकी कभी वापसी नहीं होगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले १० साल की अवधि देश और जम्मू–कश्मीर के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी और उन्होंने लोगों से सुशासन जारी रखने के लिए उनकी पार्टी को वोट देने का आग्रह किया। जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए तीन चरणों १८ और २५ सितंबर तथा एक अक्टूबर को मतदान होगा।

लखनऊ के उभरते हुए खिलाड़ियों का रहा दबदबा

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सम्पन्न हुई जूनियर बडमिंटन चौंपियनशिप में लखनऊ के उभरते हुए खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पीएनबी मेटलाईफ जूनियर बैडमिंटन चौंपियनशिप २०२४ के

८ वें संस्करण में नौ उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी–अपनी श्रेणियों में जीत हासिल की। दर्शकों को विभिन्न आयु समूहों में असाधारण खेल देखने को मिला। बॉयज सिंगल्स अंडर ६ श्रेणी में ओनीश खंडेलवाल ने आर्यवीर सिंह १५–११ और १५–११ के स्कोर पर जीत दर्ज की, जबकि गर्ल्स सिंगल्स अंडर ६ में किमाया सिंह ने स्प्रिहा राव गौतम को १५–१० और १५–८ के स्कोर के साथ हराया। बॉयज सिंगल्स अंडर ११ श्रेणी में सुमय त्रिपाठी, अक्षत शुक्ला को हराकर विजयी रहे १५–८ और १५–११ के स्कोर के साथ, वहीं गर्ल्स सिंगल्स अंडर ११ श्रेणी में लाव्या अनिका पटेल ने सानवी कुमार को १५–१२ और १५–११ के स्कोर के साथ बाहर का रास्ता दिखाया। ब यज सिंगल्स अंडर १३ श्रेणी में शार्दुल खत्री ने एक रोमांचक मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए। गर्ल्स सिंगल्स अंडर १३ श्रेणी में गर्विता त्रिपाठी ने श्रेया संतोष १५–३ और १५–८ के स्कोर के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपना दबदबा बनाया। बॉयज सिंगल्स अंडर १५ श्रेणी में–शुभम सोलंकी ने कांटे की टक्कर में देवेन्द्र सिंह ठाकुर को १५–१३ और १५–११ के स्कोर के साथ हरा कर जीत का रास्ता साफ किया। वहीं, गर्ल्स सिंगल्स अंडर १५ श्रेणी में कुहू मंशा राय १५–६ और १५–६ के स्कोर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए विजयी रहीं। बॉयज सिंगल्स अंडर १७ श्रेणी में अभिनव पंघाल का दबदबा रहा, उन्होंने हुसैन अंसारी को १०–१५, १५–६ और १५–६ के स्कोर के साथ हराकर जीत दर्ज की, जबकि गर्ल्स सिंगल्स अंडर १७ श्रेणी में कुहू ने प्रियंका गौतम को १५–५ और १५–११ के स्कोर के साथ हराया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में गणमान्य मेहमान सुश्री प्रियंका मिश्रा, मुख्य बीमा प्रबंधक, श्री सौरभ लोहटिया, मुख्य विपणन एवं संचार अधिकारी, डॉ. योगेश शेट्टी, उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रमुख फिजियो और फिजियोथेरेपिस्ट एसोसिएशन के सदस्य, श्री मृत्युंजय कुमार, जोनल मैनेजर, पंजाब नेशनल बैंक और श्री सुनील कुमार सिंह, प्रीमियर इंश्योरेंस मैनेजर मौजूद थे। उन्होंने विजयी युवा खिलाड़ियों को उनकी जीत के सम्मान में प्रतिष्ठित जेबीसी ट्रॉफी सौंपी।

अदालत ने आप विधायक अमानतुल्लाह की ईडी हिरासत तीन दिन और बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्ला खान की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत शुक्रवार को और तीन दिन के लिए बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने यह आदेश केंद्रीय जांच एजेंसी के आवेदन पर दिया। ईडी ने अदालत से अमानतुल्लाह की हिरासत और १० दिन के लिये उसे देने का अनुरोध किया था। न्यायाधीश ने कहा, "हिरासत तीन दिन के लिए बढ़ाई जाती है। उन्हें नौ सितंबर को पेश किया जाए।"

ईडी ने खान की पूर्व में उसे दी गई चार दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत के समक्ष पेश किया था। एजेंसी ने राष्ट्रीय राजधानी के ओखला क्षेत्र में स्थित अमानतुल्लाह के आवास की तलाशी लेने के बाद दो सितंबर को उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया था। ईडी ने अदालत को बताया था कि तलाशी के दौरान खान से कुछ सवाल पूछे गए, लेकिन वह जवाब देने से बच रहे थे, जिसकी वजह से उसे उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा।

विकिपीडिया Controversy: कोर्ट और प्लेटफॉर्म के बीच क्यों छिड़ी तकरार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को विकिपीडिया पर कड़ी आलोचना की और अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया। गौरतलब है कि अदालत की अवमानना घ्का नोटिस पिछले आदेश का पालन न करने पर जारी किया गया था। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा दायर मानहानि मामले से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नवीन चावला ने विकिपीडिया से कहा कि यदि आपको भारत पसंद नहीं है, तो कृपया भारत में काम न करें। हम सरकार से आपकी साइट को ब्ल क करने के लिए कहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय समाचार एजेंसी के बारे में जानकारी वाले एक पृष्ठ पर कुछ संपादन की अनुमति देने के लिए विकिपीडिया द्वारा मानहानि का दावा करने वाले एएनआई द्वारा दायर मामले की सुनवाई कर रहा था। कथित संपादन में समाचार एजेंसी एएनआई को भारत सरकार का श्प्रचार उपकरणष् बताया गया है। मामले की सुनवाई के बाद, अदालत ने विकिपीडिया से संपादन करने वाले तीन खातों के बारे में विवरण प्रकट करने को कहा, लेकिन एएनआई ने दावा किया कि इसका खुलासा नहीं किया गया है। हालाँकि, विकिपीडिया उन संपादकों के बारे में जानकारी का खुलासा करने में विफल रहा जिन्होंने एएनआई के विकी पेज

पर कुछ विवादास्पद संपादन किए थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले विकिपीडिया से उन खातों के बारे में विवरण का खुलासा करने के लिए कहा था जो एएनआई के पेज पर किए गए संपादन के पीछे थे। मामले की सुनवाई के दौरान समाचार एजेंसी ने अदालत को बताया कि अभी तक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिसके कारण अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू हुई। हालाँकि, विकिपीडिया ने बताया कि देरी इसलिए हुई क्योंकि प्लेटफॉर्म की भारत में कोई भौतिक उपस्थिति नहीं थी।

बच्ची की उखड़ती रहीं सांसें, डॉक्टर मनाते रहे बर्थडे

लखनऊ। लोहिया संस्थान के मातृ एवं शिशु रेफरल सेंटर के डॉक्टरों पर ढाई साल की बच्ची के इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। परिजनों का कहना है भर्ती बच्ची की सांसें उखड़ती रहीं। डॉक्टर इलाज करने के बजाय बंद कमरे में केक काटकर साथी का बर्थडे मनाते रहे। कई बार मिन्नतों के बाद भी देखने की जरूरत नहीं

समझी। इससे उसकी मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को शांत कराकर शव को पोस्टम र्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने डॉक्टरों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। चिनहट क्षेत्र के काशीराम क लोनी के रहने वाले अमित सिंह बेटी मिष्ठी (ढाई साल) को तीन सितंबर को लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में ले गए थे। आरोप है इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने पहले भर्ती करने से मना किया। परिजनों ने काफी मिन्नत किया तब घंटों इंतजार बाद भर्ती किया गया। बच्ची की बुआ पूजा सिंह का आरोप है डॉ.प्रवीन की देखरेख में बच्ची का इलाज चल रहा था। डॉक्टर इलाज में शुरूआत से लापरवाही बरत रहे थे। गुरुवार रात करीब ८:३० बजे बच्ची की हालत बिगड़ गई थी। परिजन ने लगातार डॉक्टर को बुलाने को कहा, लेकिन कोई भी डॉक्टर नहीं आया। आरोप है डॉक्टर बंद कमरे में बर्थडे मना रहे थे। बच्ची की सांस उखड़ता देख परिजनों ने हंगामा शुरू किया तब एक डॉक्टर आए थे। जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिजन के बवाल करने पर पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने उन्हें शांत कराया। परिजन पूजा सिंह ने स्टॉफ पर मरीजों की दवाएं गायब किए जाने का आरोप लगाया है। आरोप है फार्मेसी से मंगाई जाने वाली आधी दवाएं चढ़ाई जाती थी। बाकी दवाएं गायब हो जाती थी। सीनियर डॉक्टर द्वारा दवा देने के निर्धारित समय की भी अनदेखी की जाती है। इसे लेकर शिकायत भी दर्ज कराई गई तो डॉक्टर व स्टॉफ ने अभद्रता करते हुए धमकाया था। गुरुवार रात ८:३० बजे की घटना बताई जा रही। हंगामे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। बच्ची के शव का पोस्टमॉर्टम भी कराया गया। परिजनों ने पुलिस और संस्थान प्रशासन को लिखित शिकायत करने का भी दावा किया। इतना सब कुछ संस्थान में होने के बावजूद संस्थान के प्रवक्ता को भनक तक नहीं लगी।

एल.पी.एस. समूह ने हर्षित सिंह व शिखर पाल सिंह को बनाया महाप्रबंधक, साथ ही सांसद डॉ. एस.पी.सिंह ने शिक्षकों को बांटे ५० लाख के पुरस्कार

के० के० शुंक्ला

लखनऊ/लखीमपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के गोमतीनगर परिसर स्थित श्री रामलाल मेमोरियल प्रेक्षागृह में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी शाखाओं के प्रिंसिपल्स व शिक्षकों को सम्मानित किया गया। प्रबंधतंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। प्रबंधतंत्र ने हर्षित सिंह व शिखर पाल सिंह को लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज का महाप्रबंधक बनाया। प्रबंध निदेशक सुशील कुमार द्वारा हर्षित सिंह एवं शिखर पाल सिंह को शपथ दिलाई गयी। इस सम्मान समारोह में डॉ. एस.पी.सिंह ने सभी शाखाओं के शिक्षकों को करीब ५० लाख के उपहार देकर सम्मानित किया, इसके अतिरिक्त बेस्ट टीचर, बेस्ट सपोर्टर, बेस्ट आलराउंडर व फुल

अटेंडेंस कैटगरी में १६४ शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया ष्ड . एस.पी.सिंह ने एल.पी. एस. के सभी शिक्षकों व उसके ऊपर के पदाधिकारियों को वार्षिक वृद्धि (अनुअल इन्क्रीमेंट) के अलावा मासिक वेतन में सितम्बर २०२४ से, विशेष पुरस्कार के रूप में, सभी शिक्षकों के वेतन में १०००६ — क्लर्क व समकक्ष के वेतन में ७५०/— तथा सपोर्टिंग स्टाफ के वेतन में ५००/— प्रति माह वृद्धि की घोषणा की। पूर्व एम.एल.सी. कान्ति सिंह, डायरेक्टर्स— नेहा सिंह व गरिमा सिंह, डिप्टी डायरेक्टर मीना तांगड़ी तथा सभी शाखाओं की प्रिंसिपल्स ने शिक्षकों को बधाइयाँ दी। इस अवसर पर शिक्षकों ने मूल्यपरक विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इनमे "रूबरू" नामक प्रोग्राम को सभी शाखाओं के संगीत शिक्षकों ने प्रस्तुत किया जिसमें गणित व विज्ञान का समन्वय संगीत के साथ दिखाया गया। नारी शक्ति पर आधारित नाटक सीतापुर शाखा के शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें नारी को सबकी जननी व सभी प्रकार के अपराधों पर रोक लगाने के तौर पर दिखाया गया। इसी क्रम में कोरियोग्राफर नव द्वारा संस्था के चेयरमैन व वर्तमान प्रतापगढ़ सांसद डॉ. एस.पी.सिंह के जीवन पर आधारित लघु नाटिका "सिंह साहब" का जीवंत प्रस्तुतीकरण हुआ जिससे सभी शिक्षक भावुक हो उठे। अंत में संस्था की डायरेक्टर नेहा सिंह ने अपने सभी शिक्षकों तथा स्टाफ को बधाई देते हुए सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

भाजपा छोड़ने की तैयारी में है अपर्णा यादव? कद के मुताबिक नहीं मिला पद, सपा के इस बड़े नेता से भी हो चुकी है मुलाकात

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया था। वह समाजवादी पार्टी छोड़कर वह भाजपा में शामिल हुई थीं। महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान और आयोग के २५ सदस्यों ने अपना अ फिस ज्वाइन कर लिया है। अपर्णा यादव के साथ उपाध्यक्ष बनाई गई चारू चौधरी ने भी ऑफिस ज्वाइन कर ली है। लेकिन अपर्णा यादव अब तक ऑफिस ज्वाइन नहीं की। बताया जा रहा है अपर्णा यादव नाराज हैं। उनका मानना है कि उनके कद के मुताबिक पद नहीं दिया गया है। फिलहाल इसको लेकर वह सार्वजनिक बयान नहीं दे रही हैं। आपको बता दें अपर्णा यादव २०२२ में ही भाजपा में शामिल हुई थीं। वह लगातार भाजपा के लिए प्रचार भी करते रही। कई बार उनके चुनाव लड़ने की भी खबरें आईं। लेकिन भाजपा में शामिल होने के ढाई साल बाद उन्हें कोई जिम्मेदारी दी गई जिससे वह खुश दिखाई नहीं दे रही हैं। अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव और उनकी दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी की टिकट पर लखनऊ कैंट से चुनाव भी लड़ा था। हालांकि वह रीता बहुगुणा जोशी से हार गई थीं। खबर यह भी है कि अपर्णा यादव शुक्रवार को नई दिल्ली जा सकती है जहां

वह भाजपा के बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगी। हालांकि भाजपा के नेताओं की ओर से उनकी नाराजगी को खारिज किया जा रहा है। खबर तो यह भी है कि अपर्णा यादव ने अपने छोटे ससुर और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव से मुलाकात भी की है। इसी के बाद उनके फिर से समाजवादी पार्टी में लौटने की चर्चा तेज हो गई है। खबरों के मुताबिक के डिंपल यादव से भी उनकी मुलाकात हो सकती है। हालांकि यह सब फिलहाल सियासी चर्चाओं में है।

मैं माफिया के साथ नहीं बैठ सकता..अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के नेता और फैजाबाद के पूर्व सांसद लल्लू सिंह गुरुवार को अयोध्या में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से अचानक बाहर निकल गए और कहा कि श्माफिया तत्व मंच पर मौजूद हैं।' सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को अचानक छोड़ते हुए कहा कि मैं माफिया के साथ नहीं बैठ सकता। अयोध्या में भाजपा के राज्य नेतृत्व द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। सिंह ने आरोप लगाया कि श्मंच पर माफिया तत्व मौजूद थेश, जिसके कारण उन्हें उठकर परिसर से बाहर जाना पड़ा। हालांकि सिंह ने स्पष्ट रूप से किसी व्यक्ति का नाम लेने से परहेज किया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से मंच पर बैठे भाजपा नेता शिवेंद्र सिंह की ओर इशारा किया। सिंह ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'मंच पर माफिया मौजूद थे और मैं कभी भी खुद को ऐसे तत्वों से नहीं जोड़ सकता। मैंने माफिया के खिलाफ लगातार

लड़ाई लड़ी है, क्योंकि वे समाज का शोषण और उत्पीड़न करते हैं।' सदस्यता अभियान को लेकर बीजेपी प्रदेश महासचिव संजय राय ने अयोध्या सर्किट हाउस में प्रेस क न्फ्रेंस बुलाई थी। शिवेंद्र सिंह पर हत्या के प्रयास और गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और २०१८ में फैजाबाद जेल में बंद कर दिया गया था। बाद में उन्हें बाराबंकी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। सिंह ने कहा कि पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अपने पूरे चुनाव में कुख्यात अपराधियों और दुर्दांत हिस्ट्रीशीटरों के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया, जिसके कारण अंततः उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। लल्लू सिंह लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद से हार गए। बीजेपी अयोध्या के प्रवक्ता रजनीश सिंह ने कहा कि लल्लू सिंह ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में हमेशा राजनीतिक मर्यादा का पालन किया है।

दिल्ली AIIMS में चल रहा सीताराम येचुरी इलाज, फेफड़ों के संक्रमण के चलते हुए थे भर्ती

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी की हालत स्थिर है और एम्स दिल्ली में इलाज पर उन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया हो रही है। उन्हें फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। सीपीआई (एम) ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव, क मरेड सीताराम येचुरी का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की गहन चिकित्सा इकाई में इलाज चल रहा है। उनके फेफड़ों के गंभीर संक्रमण का इलाज किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि इलाज पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और कॉमरेड सीताराम की हालत स्थिर है। बता दें कि ७२ साल के येचुरी को निमोनिया जैसे सीने में संक्रमण के इलाज के लिए १९ अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। हालाँकि, अस्पताल द्वारा उनकी बीमारी की सटीक प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया। गुरुवार को खबर आई थी कि तबीयत बिगड़ने के बाद सीताराम येचुरी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया है। पारिवारिक सूत्रों ने कहा कि उनका एम्स में इलाज जारी है, जहां उन्हें फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में बड़े ही श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

के० के० शुंक्ला

लखीमपुर खीरी। विद्या भारती विद्यालय डॉ. हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर आवास विकास लखीमपुर खीरी में ५ सितंबर २०२४ को महान शिक्षाविद भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति ड द्व सर्वपल्ली राध ाकृष्णन जी का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में बड़े ही श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वंदना सभा में विद्यालय के आचार्य श्री सर्वेश बाजपेई जी ने डॉ. राध ोष्णन जी के जीवन वृत पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम मणि मिश्र जी ने डॉ. राधाकृष्णन जी के जयंती मनाने की सार्थकता पर बल देते हुए उनके विचारों और कार्यों से प्रेरणा लेने की बात कही। शिक्षक दिवस के अवसर पर आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत ,परिचय एवं कार्यक्रम की भूमिका विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम मणि मिश्र जी ने रखी। कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्यालय के संरक्षक श्री ज्ञान स्वरूप शुक्ल जी ,मुख्य अतिथि विद्यालय समिति के सदस्य श्री अवधेश कुमार गुप्त जी उपस्थित रहे। विद्यालय के आचार्य श्री अभिषेक पांडे जी ने डॉ.

राधाकृष्णन जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके विषय में अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य, आचार्या बहिनें एवं कर्मचारियों को स्नेह भेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष व विद्यालय के संरक्षक जी ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए डाद्व्राध ाकृष्णन जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सभी शिक्षकों को राष्ट्र एवं शिशु निर्माण में अपनी अहम भूमिका को निभाने हेतु प्रेरित किया ।कार्यक्रम में पधारे अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन आचार्य श्री विजय दीक्षित जी ने किया कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के आचार्य श्री श्याम वल्लभ शुक्ला जी ने किया । इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य आचार्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

छात्र ले आया नॉनवेज बिरयानी, प्रिंसिपल ने छात्र को बताया कट्टरपंथी, विवाद शुरू

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में स्थित एक निजी कॉन्वेंट स्कूल विवादों में आ गया है। दरअसल रिपोर्टों के मुताबिक तीसरी कक्षा के छात्र को कथित तौर पर लंच बॉक्स में मांसाहारी बिरयानी लाने पर स्कूल से निकाल दिया गया। हम आपको बता दें कि सात वर्षीय लड़के की मां और स्कूल प्रिंसिपल के बीच बातचीत का एक कथित वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल है। इसको देखने के बाद अधिकारियों को मामले की जांच के लिए एक समिति गठित करनी पड़ी। लड़के की मां ने आरोप लगाया है कि उसके बेटे को प्रिंसिपल ने पीटा था और एक खाली कमरे में बंद कर दिया था, लेकिन प्रिंसिपल ने आरोपों से इंकार किया है। लड़के की मां ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके बेटे को स्कूल प्रिंसिपल ने पीटा था और उसे धार्मिक कट्टरपंथी करार दिया था। उसने यह भी दावा किया कि प्रिंसिपल ने उससे कहा कि उसने लड़के का नाम स्कूल रजिस्टर से काट दिया है और भविष्य में उसे स्कूल भेजने की कोई जरूरत नहीं है। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) वीपी सिंह ने कहा, श्मैंने समयबद्ध जांच का आदेश दिया है और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करूंगा।श् जिले के सभी सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूलों को संचालित करने वाले वीपी सिंह ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है और निर्देश दिया है कि वह सोमवार तक एक रिपोर्ट सौंपे।

समिति में अमरोहा जिले के तीन सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य शामिल हैं। इस बीच, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) मोनिका कुमारी ने कहा कि अगर रिपोर्ट में प्रिंसिपल को दोषी पाया गया तो 'कड़ी कार्रवाई' की जाएगी। दूसरी ओर, स्कूल प्रिंसिपल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा है कि मैंने लड़के को नहीं पीटा और उसे एक शिक्षक की देखरेख में कंप्यूटर कक्ष में बैठाया गया था। उन्होंने कहा कि लड़के ने स्कूल परिसर के भीतर मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया और अपने सहपाठियों को बिरयानी की पेशकश की। उन्होंने कहा कि मैंने बुधवार को अभिभावक–शिक्षक बैठक बुलाई थी लेकिन उसकी मां ने मुझे दोषी ठहराया। हम आपको यह भी बता दें कि प्रिंसिपल और लड़के मां के बीच बातचीत का एक कथित वीडियो वायरल हो गया जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि लड़के का नाम स्कूल रजिस्टर से काट दिया गया था। घर ले जाओ इसे, ऐसे बच्चों की यहां जरूरत नहीं है, हमें यहां ऐसे छात्रों की जरूरत नहीं है। वीडियो में कथित तौर पर प्रिंसिपल को यह कहते हुए भी सुना जा सकता है कि हम उन बच्चों को नहीं पढ़ाएंगे जो बड़े होकर मंदिर तोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही यह भी आरोप लगाया कि वह ऐसे खाद्य व्यंजनों के माध्यम से दूसरों को धर्म परिवर्तित करने के लिए प्रेरित करता है। इस बीच, स्थानीय मुस्लिम समिति के सदस्यों ने घटना के खिलाफ अमरोहा तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को संबोधित एक ज्ञापन अमरोहा के उप मंडल मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार को सौंपा। मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष हाजी खुर्शीद अनवर ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, श्हमने मांग की है कि स्कूल की मान्यता रद्द की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।'

सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के थाना कुर्सी–महमूदाबाद मार्ग पर स्थित ग्राम इनायतपुर सागर पब्लिक स्कूल के निकट दो कारों और एक ई–रिक्शा में टक्कर हो जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे में मारे गए सभी लोग बाराबंकी के ही रहने वाले थे। घटना में आठ साल की बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी ई–रिक्शा से सीतापुर जिले के महमूदाबाद में किसी परिचित के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने बताया की बृहस्पतिवार की देर रात थाना बडडूपुर क्षेत्र के कुर्सी–महमूदाबाद मार्ग पर इनायतपुर गांव के पास हुए सड़क हादसे में फतेहपुर से लखनऊ की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार ने पहले ई–रिक्शा में टक्कर मारी। इसके बाद वह सामने से आ रही एक दूसरी कार से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक कार सड़क किनारे बने तालाब में गिर गई। उन्होंने बताया कि ई–रिक्शा में एक ही परिवार के आठ लोग सवार थे, जो कुर्सी थाना अंतर्गत ग्राम उमरा के निवासी थे। हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघटेर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं छह घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि कुर्सी थाना क्षेत्र के ग्राम उमरा निवासी आठ साल की बच्ची समेत एक ही परिवार के आठ लोग ई–रिक्शा से सीतापुर के महमूदाबाद में दाह संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। बच्ची समेत तीन लोगों का जिला अस्पताल में इलाज हो रहा है, जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में इरफान, अजीज अहमद, वहीदुन, ताहिरा बानो, साबरीन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में कार सवार लोग भी घायल हुए हैं, जिनका निजी अस्पताल में उपचार हो रहा है। पुलिस उनके बारे में जानकारी जुटा रही है। अधिकारी ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को बुलाकर बचाव अभियान चलाया गया और तालाब में गिरी कार को निकाला गया।

मुंबई में टाइम्स बिल्डिंग में लगी आग, दमकल की नौ गाड़ियां आग बूझाने में जुटी

मुंबई। मुंबई के लोअर परेल पश्चिम में टाइम्स टॉवर इमारत में शुक्रवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, सुबह ६.४७ बजे लगी आग में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और आग बुझाने का काम जारी है। फायर की कई गाड़ियां मौके पर आग बुझाने के लिए मौजूद है। वहीं घायलों को ले जाने के लिए एंबुलेंस और पुलिस भी उपस्थित है। आग लगने की घटना के बाद आपातकालीन सेवाओं को बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया देनी पड़ी। लोअर परेल के सेनापति बापट रोड पर कमला मिल्स परिसर में स्थित टाइम्स टॉवर में सुबह ६:३६ बजे लेवल १ की आग लगी, जो तेजी से बढ़कर ६:४७ बजे लेवल २ तक पहुंच गई। आग ने मुख्य रूप से १४ मंजिला ग्लास–फेसेड वाणिज्यिक इमारत के पीछे तीसरी से सातवीं मंजिल तक चलने वाली बिजली की नली को प्रभावित किया। चूंकि यह घटना सुबह के समय हुई थी, इसलिए कार्यालय खाली थे, और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी रवींद्र अंबुलगेकर ने एचटी को बताया कि इमारत की डक्टिंग में एल्युमीनियम कंपोजिट पैनल (एसीपी) क्लैडिंग के कारण आग तेजी से फैली। ष्एसीपी क्लैडिंग प्लास्टिक जैसी सामग्री से बनी होती है जो अत्यधिक ज्वलनशील होती है, जिसके कारण आग तेजी से ऊपर की ओर फैलती है। इमारत के कांच के अग्रभाग ने भी अग्निशमन प्रयासों में बाधा उत्पन्न की,' अंबुलगेकर ने कहा। उन्होंने आगे बताया कि एसीपी क्लैडिंग का इस्तेमाल अक्सर सौंदर्य प्रयोजनों और एयर कंडीशनिंग इकाइयों के लिए सुरक्षा कवर के रूप में किया जाता है, लेकिन इससे सुरक्षा को लेकर काफी जोखिम है। उन्होंने कहा, 'हमें अंदर से आग से लड़ना पड़ा।' ऑपरेशन में देरी हुई क्योंकि अग्निशमन कर्मियों को हाइड्रोलिक डोर ओपनर का उपयोग करके चौथी, पांचवीं, छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित

कई कार्यालयों में घुसना पड़ा। 'हमने दूसरी मंजिल से लेकर १४वीं मंजिल तक के ताले तोड़ने के लिए छेनी और हथौड़े जैसे औजारों का इस्तेमाल किया। धुएँ से भरे कार्यालयों में घुसना और आग बुझाना विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण था,' अंबुलगेकर ने कहा। आग की तीव्रता को देखते हुए, आठ दमकल गाड़ियाँ, पानी के टैंकर और टर्नटेबल सीढ़ियाँ तैनात की गईं। सुबह १०:१० बजे तक आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन ठंडा करने का काम जारी रहा। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना को भयावह बताया। कमला मिल्स के सामने स्थित लोढ़ा पार्क की निवासी विजयेता बसु ने बताया कि उन्होंने सुबह ६:१२ बजे आग को पहली बार देखा। उन्होंने कहा, 'मैंने खाना ऑर्डर किया था, और डिलीवरी करने वाले ने कहा कि आग के कारण वह अंदर नहीं जा सकता। आग बहुत भयंकर थी और करीब एक घंटे तक फैलती रही।'

साधु–संतों ने हिंदु धार्मिक उत्सवों में उर्दू शब्दों को हटाने की वकालत की

लखनऊ। साधु–संतों ने यहां बृहस्पतिवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदु धार्मिक उत्सवों में उपयोग होने वाले 'शाही' शब्द को हटाकर उसकी जगह राजसी अथवा अन्य सनातनी

शब्दों का प्रयोग किया जाए। साधु संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कहा कि जल्द ही सभी अखाड़ों की एक बैठक बुलाकर उसमें शाही और पेशवाई सहित उर्दू के अन्य शब्दों को हटाकर भारतीय संस्कृति के अनुरूप शब्दों का प्रयोग करने का प्रस्ताव पारित किया जायेगा। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविन्द्र पुरी (निरंजनी) ने कहा, ''शाही जैसा शब्द हमारी भारतीय संस्कृति की परंपरा में नहीं है। शाही और पेशवाई जैसे शब्द गुलामी के प्रतीक हैं और इन्हे मुगल शासकों द्वारा अपनी शान में उपयोग किया जाता था।'' उन्होंने कहा कि ये शब्द उर्दू के हैं जबकि प्राचीन भारतीय सनातन संस्कृति की हिंदी, देवनागरी व संस्तें है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में राजसी जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता था। महंत पुरी ने कहा कि कुंभ में निकलने वाली संतो की शाही सवारी और पेशवाई जैसे शब्दों को बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि शाही की जगह राजसी शब्द का उपयोग सही होगा जबकि पेशवाई शब्द का हिंदी अथवा संस्तें का विकल्प तलाशा जाएगा। उज्जैन में महाकाल की शाही यात्रा के दौरान यादव ने शाही को उर्दू का शब्द बताते हुए उसे गुलामी का प्रतीक बताया था।

यूट्यूबर एल्विश यादव दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश हुए

नोएडा। यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के समक्ष पूछताछ के लिए दूसरी बार पेश हुए। यह मामला उनके द्वारा आयोजित पार्टियों में सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल और संबंधित वित्तीय लेनदेन से जुड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने यहां अशोक मार्ग स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय में २६ वर्षीय यादव का बयान करीब सात घंटे तक दर्ज किया। संघीय जांच एजेंसी ने जुलाई में एल्विश यादव से पहली बार पूछताछ की थी। केंद्रीय एजेंसी ने उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस द्वारा यादव और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और आरोपपत्र का संज्ञान लेने के बाद मई में मामला दर्ज किया था और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए थे। ईडी ने उक्त मामले में हरियाणा के एक गायक राहुल यादव उर्फ घ्फ्राहुल फाजिलपुरिया से भी पूछताछ की। नोएडा पुलिस ने १७ मार्च को एल्विश यादव को उनके द्वारा आयोजित पार्टियों में सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

निजी एंबुलेंस में यौन उत्पीड़न करने का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। निजी एंबुलेंस में महिला के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि एंबुलेंस के सहायक ने चालक के साथ मिलकर एक महिला का यौन उत्पीड़न किया, जिसने अपने बीमार पति को घर ले जाने के लिए वाहन किराए पर लिया था। लखनऊ के अपर पुलिस उपायुक्त (उत्तर) जितेंद्र कुमार दुबे ने कहा, ''एंबुलेंस के आरोपी सहायक ऋषभ को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारी टीमें आरोपी चालक को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही हैं।'' पुलिस के अनुसार, सिद्धार्थनगर जिले की रहने वाली महिला के पति का लखनऊ के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण महिला ने २६ अगस्त की शाम को अपने पति की छुट्टी करवाकर निजी एंबुलेंस से घर ले जाने का फैसला किया, लेकिन लौटते समय चालक और सहायक ने कथित तौर पर महिला के साथ छेड़छाड़ की। महिला की शिकायत के अनुसार, जब उसने उनके प्रयासों का विरोध किया, तो चालक ने गंतव्य से लगभग १५० किलोमीटर दूर बस्ती जिले में एंबुलेंस को रोक दिया और उसे, उसके भाई और उसके पति को वाहन से बाहर निकाल दिया। महिला ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया, जिसने उसके पति को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाने के लिए दूसरी एंबुलेंस की व्यवस्था की, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। महिला लखनऊ लौटी और बुधवार को आरोपियों के खिलाफ गाजीपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुराना एसपी आवास ! अतिक्रमण हटेगा - एसपी

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक ने पुराना एसपी आवास परिसर का निरीक्षण किया। अवैध अतिक्रमण हटाने तथा किसी भी अवांछनीय गतिविधि की रोकथाम हेतु सतत निगरानी के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने हिदायत नगर चौराहा के पास स्थित ष्पुराना पुलिस अधीक्षक आवास' की खाली भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया । पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर को राजस्व विभाग व नगर पालिका लखीमपुर से समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से टीम गठन कर ष्पुराना पुलिस अधीक्षक आवासष् के आसपास हुए अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने जाने हेतु निर्देशित किया । आवास के आसपास पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाकर किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम हेतु सतत निगरानी किए जाने को कहा। सोमवारी बाजार को यहाँ हजारों की भीड़ रहती है।

डीजीपी कार्यालय में तैनात दरोगा के बेटे को तेज रफ्तार बस ने कुचला

लखनऊ। दुबग्गा थाना अंतर्गत अंधे की चौकी के पास गुरुवार शाम को हरदोई मार्ग पर तेज रफ्तार बस ने डीजीपी कार्यालय में तैनात दरोगा के बेटे असद (१३) को कुचल दिया। मौके पर उसकी मौत हो गई। वह साइकिल से मोमोज खाकर घर लौट रहा था। छात्र को रौंदने के बाद बस चालक घटनास्थल से भागने की कोशिश करने लगा तभी उसने दो राहगीरों को भी कुचल दिया। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में घुस गई। हादसे के बाद आक्रोशित राहगीरों ने चालक की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अभिनव वर्मा के मुताबिक अक्सा क लोनी निवासी इनसाद अली सपरिवार रहते हैं। वह डीजीपी कार्यालय में दरोगा के पद पर तैनात हैं। उनका बेटा असद आम्रपाली क लोनी स्थित डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) में पांचवी कक्षा में पढ़ता था। उन्होंने बताया कि गुरुवार शाम करीब छह बजे बेटा साइकिल से अंधे की चौकी के पास मेमोज खाने गया था। वापस लौटते समय पीछे से आ रही तेज रफ्तार निजी बस ने असद को रौंद दिया। आरोप है कि बेटे को रौंदने के बाद चालक ने रफ्तार बढ़ा दी, जिससे बस की जद में आने से दो राहगीर भी जख्मी हो गए। तभी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में फंस गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। फिर राहगीरों ने बस चालक की लात–घूंसों से पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने छात्र व राहगीरों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। जहां ड क्टरों ने असद को मृत घोषित कर दिया। वहीं बस सवार लोग सुरक्षित रहे। उनका कहना है कि छात्र के शव को पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिवार में माता मोसिना खातून , बहन शाहीन ,शाइस्ता भाई अनस ,अरसद है। मृतक छात्र परिवार में सबसे छोटा था।

हाथरस में रोडवेज बस और वैन में जोरदार भिड़ंत, 15 यात्रियों की मौत, 13 अन्य घायल

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के चंदपा कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम एक वैन को पीछे से एक बस ने टक्कर मार दी जिससे इस घटना में चार बच्चे और चार महिलाओं समेत १५ लोगों की मौत हो गयी जबकि १३ अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस जिले में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। वहीं प्रधानमंत्री की ओर से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों के लिए ५० हजार रुपये के आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। हाथरस के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निपुण अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार की शाम यह दुर्घटना उस समय चंदपा कोतवाली क्षेत्र के कुंवरपुर गांव के पास हुई, जब आगरा–अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवरटेक करने की कोशिश में बस वैन से टकरा गई।' घटनास्थल जिला मुख्यालय से १० किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि घटना में १२ लोगों की मौत हो गयी थी जबकि १६ अन्य घायल हो गए थे, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि बाद में गंभीर रुप से घायल चार यात्रियों में तीन अन्य की उपचार के दौरान मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि ये सभी लोग हाथरस से आगरा जा रहे थे। घटना की सूचना पर इलाका पुलिस के साथ जिलाधिकारी आशीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल मौके पर पहुंच गए। एसपी ने बताया कि मामले में अभियोग पंजींत किया जा रहा है और चालक की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस जिले में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं, इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस बीच पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर और अलीगढ़ की आयुक्त चौत्रा बी भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गयी हैं। वहीं इस सड़क हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा– 'जनपद हाथरस में एक सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने हेतु निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।'

सीएम को पार्टी बनाए जाने पर निर्णय करेगी कैट, १३ सितंबर को होगी सुनवाई

लखनऊ। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की लखनऊ पीठ पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को अब तक उनका अंतिम पेंशन और ग्रेच्युटी नहीं दिए जाने के मामले में आगे सुनवाई करने के पहले इस बात पर निर्णय करेगी कि किसी मुख्यमंत्री को ट्रिब्यूनल में पक्षकार बनाया जा सकता है या नहीं। अमिताभ ठाकुर ने अपनी याचिका में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जानबूझ कर अनिवार्य सेवानिवृत्ति के ३ साल बाद अब तक उनका अंतिम पेंशन और ग्रेच्युटी नहीं दिए जाने की बात कही है। इस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता एसएस राजावत ने प्राथमिक आपत्ति लगाई कि इस मुकदमे में योगी आदित्यनाथ को प्रतिवादी बनाया गया है, जो कानूनन गलत है। कैट की रजिस्ट्री ने भी इसी प्रकार की आपत्ति की है। जस्टिस अनिल कुमार ओझा की बेंच ने याची की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर को इस आपत्ति पर एक सप्ताह में अपना जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई १३ सितंबर को होगी।

बस पलटकर कार के ऊपर गिरी, बच्चा समेत पांच लोग घायल

लखनऊ। लखनऊ के बाहरी इलाके में एक निजी बस पलटकर एक कार के ऊपर गिर गई जिससे एक बच्चा सहित करीब पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) रजनीश वर्मा ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात करीब पौने दस बजे मोहनलालगंज इलाके में रायबरेली–लखनऊ मार्ग की है। पुलिस के अनुसार, एक डबल डेकर बस पलटकर एक कार के ऊपर गिर गई जिससे उसका पिछला हिस्सा दब गया और एक बच्चा वाहन में फंस गया। वर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''कार से कुछ लोगों बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक बच्चा फंसा रह गया। क्रेन की मदद से बस को हटाया गया और उसे भी बाहर निकाल लिया।'' उन्होंने बताया कि घटना में चार से पांच लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी ने बताया कि स्थानीय पुलिस विधि कार्रवाई कर रही है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे गोरखधंधे का सबसे बड़ा रास्ता बनने जा रहा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे गोरखधंधे का सबसे बड़ा रास्ता बनने जा रहा है। सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा, ''भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस सरकार में ज्यादातर निर्माण और सड़क परियोजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ गयी है।'' उन्होंने दावा किया श्शगोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे गोरखधंधे का सबसे बड़ा रास्ता बनने जा रहा है। छह की जगह चार लेन बनने के बाद भी, प्रति किमी देश का सबसे महंगा एक्सप्रेस–वे बनने का (महा भ्रष्टाचारी) रिकार्ड भी इसी के नाम है।'' पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (लखनऊ से गाजीपुर) के बीच १६० किलोमीटर से गोरखपुर का लिंक एक्सप्रेसवे बन रहा है, जिस पर आवागमन अभी शुरू नहीं हुआ है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जिला गोरखपुर है और यह उनकी

महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में एक है। बयान में अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए कहा, श्श्या ऐसा कोई म निटरिंग सिस्टम (निगरानी व्यवस्था) भाजपा सरकार के ऊपर निगाह रखने के लिए नहीं बन सकता, जो बेलगाम भाजपाइयों को नियम और कानून तोड़ने व महा भ्रष्टाचार की गलत लेन में बेतहाशा रफ्तार से अपनी गाड़ी दौड़ाने से रोक सके।'' उन्होंने कहा कि 'व्यवस्था' किसी एडवांस मैनेजमेंट सिस्टम से नहीं, सही नीयत से शासन–प्रशासन चलाने से सुधरती है। यादव ने यह भी दावा किया कि ''इससे पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के निर्माण कार्यों को लेकर तमाम तरह की शिकायतें भी आ चुकी हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे तो प्रधानमंत्रीजी द्वारा उद्घाटन के एक ही सप्ताह में कई जगह टूट गया था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''अयोध्या में भी बड़े पैमाने पर जमीनों की खरीद, बिक्री और निर्माण कार्यों में हुआ भ्रष्टाचार सबके सामने है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''भाजपा के लोगों ने अयोध्या में जिस तरह की लूट मचाई है, उसकी दूसरी मिसाल नहीं दिखती है। भाजपा की पोल खुल चुकी है तथा झूठ और लूट का उसका चरित्र जनता के सामने आ चुका है।''

DM को चपरासी ने लिखा पत्र, कहा- घूस का पैसा बढ़ाया जाये, जांच में हुआ चौकाने वाला खुलासा

लखनऊ। जौनपुर जिले का एक पत्र गुरुवार से वायरल हो रहा है। जिसमें राजाराम यादव नाम का

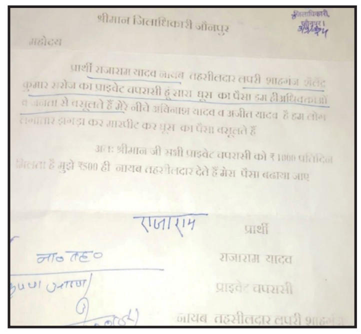
श्रीमान जिलाधिकारी जौनपुर

महोदय

प्रार्थी राजाराम यादव नायब तहसीलदार लपरी शाहगंज शैलेंद्र कुमार सरोज का प्राइवेट चपरासी हूं सारा घूस का पैसा हम ही अधिवक्ताओं व जनता से वसूलते हैं मेरे नीचे अविनाश यादव व अजीत यादव हैं हम लोग लगातार झगड़ा कर मारपीट कर घूस का पैसा वसूलते हैं

अतः श्रीमान जी सभी प्राइवेट चपरासी को ₹1000 प्रतिदिन मिलता है मुझे ₹500 ही नायब तहसीलदार देते हैं मेरा पैसा बढाया जाए

राजाराम

प्रार्थी

राजाराम यादव

प्राइवेट चपरासी

नायब तहसीलदार लपरी शाहगंज

शख्स डीएम को पत्र लिखकर अपनी समस्या बताता है। पत्र में राजाराम नाम का शख्स लिखता है कि तहसील लपरी शाहगंज में नायब तहसीलदार का प्राइवेट चपरासी हूं। मैं और अन्य प्राइवेट चपरासी ही जनता और अधिकारियों से घूस का पैसा वसूल कर देते हैं, लेकिन सभी प्राइवेट चपरासियों को अधिकारी की तरफ से १ हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से दिया जाता है, जबकि मुझे ५०० रुपये ही रोज के हिसाब से मिलता है। ऐसे में मेरा पैसा बढ़ाया जाये। वहीं जब यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ ,तो जौनपुर प्रशासन भी हरकत में आया। उप जिलाधिकारी शाहगंज ने पूरे मामले की जांच की। उसके बाद चौकाने वाला खुलासा हुआ। उप जिलाधिकारी शाहगंज ने जांच के बाद डीएम को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि नायब तहसीलदार लपरी व तहसीलदार शाहगंज से जांच कराई गई है। जिसमें राजाराम यादव नाम का कोई प्राइवेट कर्मचारी कार्यरत नहीं पाया गया है। जांच में यह मामला सही नहीं पाया गया है।

फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका : आलिया भट्ट

नई दिल्ली। आलिया भट्ट अपनी ऑन–स्क्रीन परफॉर्मेंस और स्टाइल से दर्शकों को हमेशा आकर्षित करती रही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि फैशन उनके लिए एक कहानी बताने का तरीका है। आलिया ने कहा फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका है, यह मेरे लिए खुद का प्रतिबिंब है। मैंने हमेशा अपने प्रति सच्चा रहने की कोशिश की है। फैशन हमेशा बदलता रहता है लेकिन मेरे लिए यह हमेशा आरामदायक और आसान रहा है। जब आलिया से उनके बालों और त्वचा की देखभाल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपने रूटीन के बारे में भी कई बातें शेयर की। उन्होंने कहा "मैं एक नियमित स्किनकेयर रूटीन का पालन करती हूं, जिसमें त्वचा की सफाई, मॉइश्चराइजिंग और धूप से सुरक्षा शामिल है। हाइड्रेटेड रहना भी मेरे

रूटीन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब मैं काम नहीं कर रही होती, तो मैं मेकअप भी नहीं करती हूं ताकि मेरी त्वचा भी आराम कर सके। इसके अलावा मैं अपने बालों को स्टाइलिंग टूल्स और प्रोडक्ट्स से ब्रेक देती हूं ताकि वे स्वस्थ रहें। आलिया ने अपने सिल्की बालों के बारे में बताते हुए कहा मेरे लिए, बालों के साथ नए–नए प्रयोग करना नए लुक्स को अपनाने का अच्छा तरीका है। यह बहुत अच्छी बात है कि बालों का नया रंग आपके किसी इवेंट में मौजूदगी को कैसे बदल सकता है और यह आपकी परफॉर्मेंस में एक नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। उल्लेखनीय है कि आलिया भट्ट ने २०१२ में अपनी फिल्म "स्टूडेंट ऑफ द ईयर" के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इसी साल अक्टूबर के महीने में हिंदी सिनेमा में अपने १२ साल पूरा करने वाली हैं। अपने इस बारह साल के करियर में उन्होंने "हाईवे", "२ स्टेट्स," "हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया," "कपूर एंड सन्स," "उड़ता पंजाब," "राजी," "गली बॉय," "गंगूबाई काठियावाड़ी," "डार्लिंग्स," और "र की और रानी की प्रेम कहानी" जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। आलिया ने हिंदी सिनेमा में अपने १२ साल के योगदान को याद करते हुए कहा, "पिछले १२ वर्षों में, मैंने कुछ बेहतरीन निर्देशकों, प्रोडक्शन हाउसों और अभिनेताओं के साथ काम किया है। मैं उन सब के द्वारा मुझे मिले हर प्रोजेक्ट के लिए आभारी हूं, क्योंकि इन लोगों की वजह से ही मुझे इतने विविध और अनोखे किरदार निभाने का मौका मिला है। बता दें, आलिया की आगामी फिल्मों में "जिगरा" और "अल्फा" शामिल है जिसमें वह एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी।

थलपति विजय की फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, नेटिजन्स ने इसे 'बॉक्स ऑफिस मॉन्स्टर' कहा

मुम्बई। थलपति विजय की मुख्य भूमिका वाली ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम उर्फ GOAT आखिरकार सिनेमाघरों में आ गई है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म

साउथ स्टार की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। GOAT को प्रशंसकों और फिल्म समीक्षकों से मिली–जुली से लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ मिली हैं, जिसने X पर फिल्म की प्रशंसा, मीम्स और विस्तृत समीक्षाएँ की हैं। अगर आप भी अभिनेता विजय के प्रशंसक हैं और इस सप्ताह GOAT देखने का इंतजार कर रहे हैं, तो फिल्म के बारे में जूपजजमत पर कुछ प्रतिक्रियाएँ देखें और पहले एक संक्षिप्त विचार प्राप्त करें। एक उपयोगकर्ता ने फिल्म को 'बॉक्स ऑफिस मॉन्स्टर' कहा और दावा किया कि फिल्म अपने पहले दिन १००–१२० करोड़ रुपये कमा लेगी। एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, ''आप लोगों को # The Greatest Of AllTime देखने से पहले कोई फिल्म देखने की जरूरत नहीं है, बस आएँ और मजे करें!! यह सब आपका है!!! आइए सिनेमाघरों में अपने थलपति का जश्न मनाएं!! #GOAT यहाँ है!!! दुनिया को देखने के लिए और तीन घंटे!!''आर्यन विश्नोई नाम के एक यूजर ने फिल्म के पहले और दूसरे भाग की प्रशंसा की और इसे 'ब्लॉकबस्टर' करार दिया।

फिल्म 'बॉर्डर २' में दिलजीत दोसांझ की हुई एंट्री

मुंबई। पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ फिल्म बॉर्डर २ में काम करते नजर आयेंगे। जेपी दत्ता निर्देशित वर्ष १९९७ में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। करीब २७ साल बाद बॉर्डर का सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म बार्डर २ में सनी देओल की मुख्य भूमिका होगी। अभी हाल ही में बॉर्डर २ में वरुण ध्वन की एंट्री हुयी थी। अब बार्डर २ की स्टार कास्ट में दिलजीत दोसांझ भी शामिल हो गये हैं। सनी देओल ने बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म 'बॉर्डर २' के कलाकारों में सुप्रसिद्ध गायक एवं अभिनेता दिलजीत दोसांझ का आधिकारिक तौर पर स्वागत किया है। सनी देओल ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर दिलजीत दोसांझ के साथ एक परिचयात्मक वीडियो जारी किया। इस क्लिप को सोनू निगम के

प्रतिष्ठित गीत ष्संदेशे आते हैं" के साथ संवर्धित किया गया है, जिसमें दोसांझ का वॉयसओवर भी शामिल है।इस देश की तरफ उठने वाली हर नजर झुक जाती है खौफ से, सरहदों पर जब गुरु के बाज परा देते हैं। सनी देओल ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, ''बॉर्डर२ की बटालियन में फौजी दिलजीत दोसांझ का स्वागत है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lt; ckt ib

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lj'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;wjks phQ

eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक